International Journal of Research in Social Sciences
Vol. 9 Issue 5, May 2019,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

हथकरघा क्षेत्र में बुनकरों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति अजमेर जिले के सन्दर्भ में

नीलम चौरसिया
शोधार्थी, भूगोल
स.पृ.चौ.राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

डॉ. मधु सिंह
सह–आचार्य, भूगोल
स.पृ.चौ.राजकीय महाविद्यालय, अजमेर

सार

भारत हथकरघा उद्योग कृषि के द्वारा सर्वाधिक रोजगार प्रदान करने वाला देश है। भारत में लगभग 35 लाख लोग हथकरघा व सम्बन्धित क्षेत्रों में संलग्न हैं भारतीय हथकरघा विस्तृत असंगठित क्षेत्र है जिसका भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान है। भारत के कुल निर्यात में सर्वाधिक हिस्सेदारी के साथ अपना एकाधिकार रखता है। परन्तु निर्यात में इतना बड़ा योगदान देने के बावजूद वर्तमान समय में हथकरघा उद्योग की स्थिति अच्छी नहीं है। हमारी शोध राजस्थान के केकड़ी पर आधारित है जिसमें अजमेर जिले के बुनकरों की सामाजिक आर्थिक समस्या पर आधारित है। हमारा अध्ययन यह बताता है कि हथकरघों बुनकरों की स्थिति निम्न है। साथ ही यहाँ सरकारी योजनाओं का पूर्ण लाभ नहीं मिला है।

शब्दावली : हथकरघा, असंगठित क्षेत्र, एकाधिकार

परिचय

भारतीय हथकरघा एक परम्परागत औद्योगिक क्षेत्र है। अर्थव्यवसथा को सुचारू रूप से चलाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कृषि के समान हथकरघा भी एक महत्वपूर्ण व कृषि से सम्बन्धित है।

हथकरघा उद्योग में पुरूषों के साथ महिलाएँ भी कंधों से कंधा मिलाकर चलती हैं यह महिलाएँ हथकरघा के माध्यकम से अपने परिवार को चलाती है व अपनी महत्पपूर्ण जिम्मेदारी निभाती हैं। चतुर्थ हथकरघा सेंसेक्स के अनुसार लगभग 23 लाख महिलाएँ हथकरघा व उससे संबन्धित सेवाओं में संलग्न हैं। हथकरघा क्षेत्र में संलग्न महिलाएँ आर्थिक रूप से स्वतंत्र हो गई हैं।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

उद्देश्य

- अध्ययन क्षेत्र में हथकरघा उद्योग की सामाजिक आर्थिक संरचना
- हथकरघा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी का अध्ययन

परिकल्पनाएँ

- महिलाओं का योगदान
- महिलाओं की स्थिति में सुधार

क्रियाविधि

प्रस्तुत अध्ययन राजस्थान के अजमेर जिले के क्षेत्र अध्ययन पर आधारित है। जिसमें प्राथमिक आँकडों का एकत्रिकरण प्रश्नावली के माध्यम से किया गया है जिसमें 39 सेम्पलों का एकत्रण किया गया है। द्वितीयक आंकड़ों का संग्रहण जिला उद्योग केन्द्र से किया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

राजस्थान राज्य विविधताओं से येक्त राज्य है जिसके प्रत्येक क्षेत्र में भिन्नता देखने को मिलती है जिसमें रहन–सहन, खान–पान से लेकर रीति–रिवाज तक शामिल हैं। इसी प्रकार रास्थान से विभिन्न प्रकार के हाथकरघा उत्पाद तैयार किए जाते हैं। जैसे कोटा डोरिया साड़ी कैथून (कोटा), पट्टू (जोधपुर), लवाण, खेस (बाड़मेर), चद्दर, टॉवल (अजमेर) इत्यादि। अजमेर में निर्मित बैडशीट, टाबल, खेस, जाटी साड़ी, रेजी, दरी पट्टी आदि शामिल हैं। अजमेर जिला उद्योग केन्द्र में कुल 185 बुनकर पंजीकृत है; जिसमें 104 पुरूष एवं 71 महिलाएँ हैं।

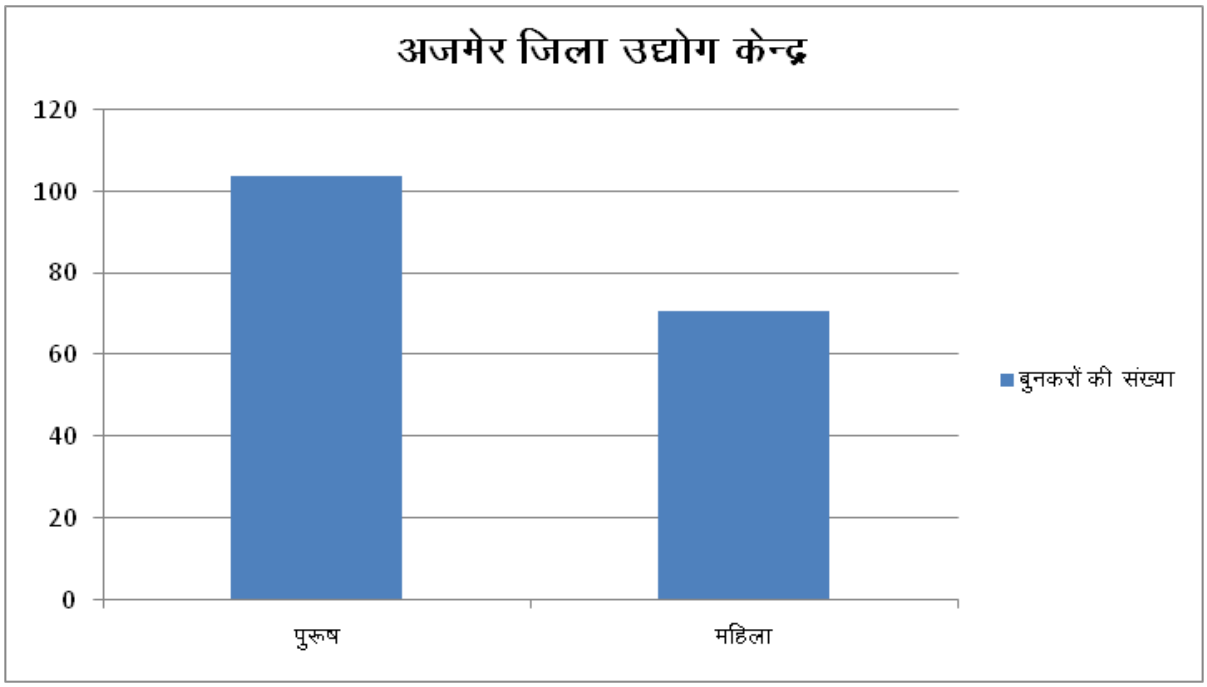

जबकि अजमेर के प्रत्येक गाँव में एक बुनकर समुदास रहता है जिनकी पीढ़ियों से यह काम किया जाता रहा है लेकिन रोजगार के अवसर उपलब्ध न होनो के कार इस समुदाय के लोग अन्य कार्यों में लगे हुए हैं।

वर्ग	संख्या	प्रतिशत
स्त्री	22	44.89
पुरूष	27	55.10
कुल	**49**	**100**

स्त्रोत : प्राथमिक आंकड़ों का संकलन शोधार्थी द्वारा स्वयं किया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

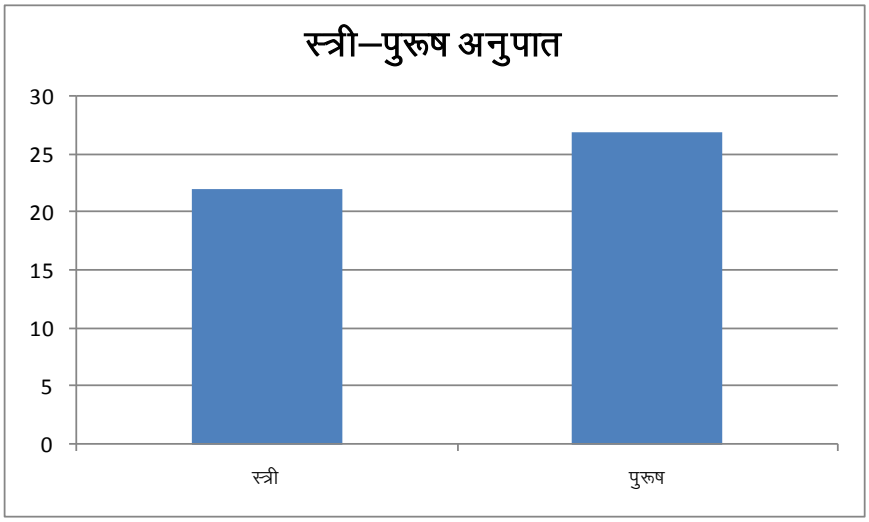

सामाजिक संरचना

वर्ग	संख्या	प्रतिशत
अनुसूचित जाति	41	83.67
अनु.जनजाति	1	2.04
ओ.बी.सी	5	10.20
सामान्य	2	4.08
कुल	**49**	**100**

स्त्रोत : प्राथमिक आंकड़ों का संकलन शोधार्थी द्वारा स्वयं किया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

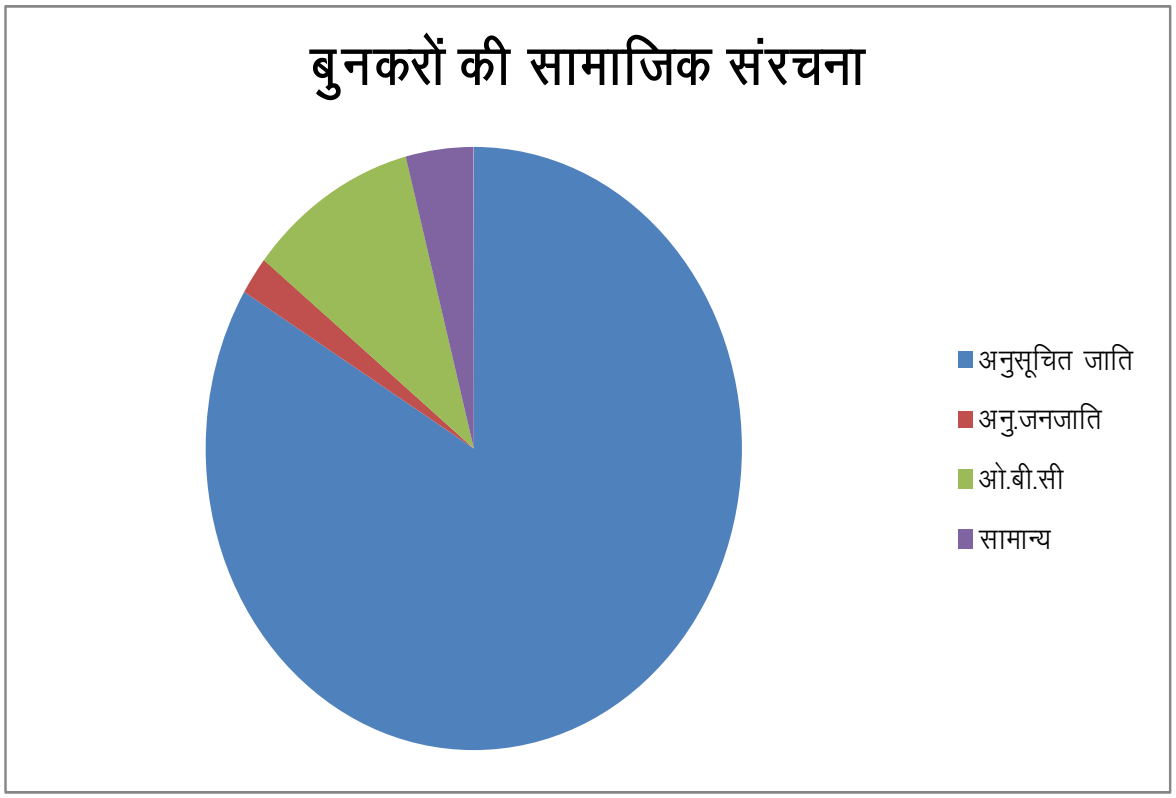

उपर्युक्त विवेचन से यह स्पष्ट है कि अजमेर जिले में महिला व पुरूष इस क्षेत्र में लगभग समान ही रूप से भागीदार हैं तथा अनुसूचित जाति का अनुपात 79.48 प्रतिशत के साथ सर्वाधिक है। समय के साथ अन्य वर्ग भी हथकरघा क्षेत्र में अपना भाग्य आजमा रहे हैं।

साक्षरता संरचना

निरक्षर	5
प्राथमिक	9
उच्च प्राथमिक	13
माध्यमिक	8
उच्च माध्यमिक	8
स्नातक व अधिक	6
कुल	**49**

स्त्रोत : प्राथमिक आंकड़ों का संकलन शोधार्थी द्वारा स्वयं किया गया है।

International Journal of Research in Social Sciences
Vol. xIssue x, Month 201x,
ISSN: 2249-2496 Impact Factor: 7.081
Journal Homepage: http://www.ijmra.us, Email: editorijmie@gmail.com
Double-Blind Peer Reviewed Refereed Open Access International Journal - Included in the International Serial Directories Indexed & Listed at: Ulrich's Periodicals Directory ©, U.S.A., Open J-Gate as well as in Cabell's Directories of Publishing Opportunities, U.S.A

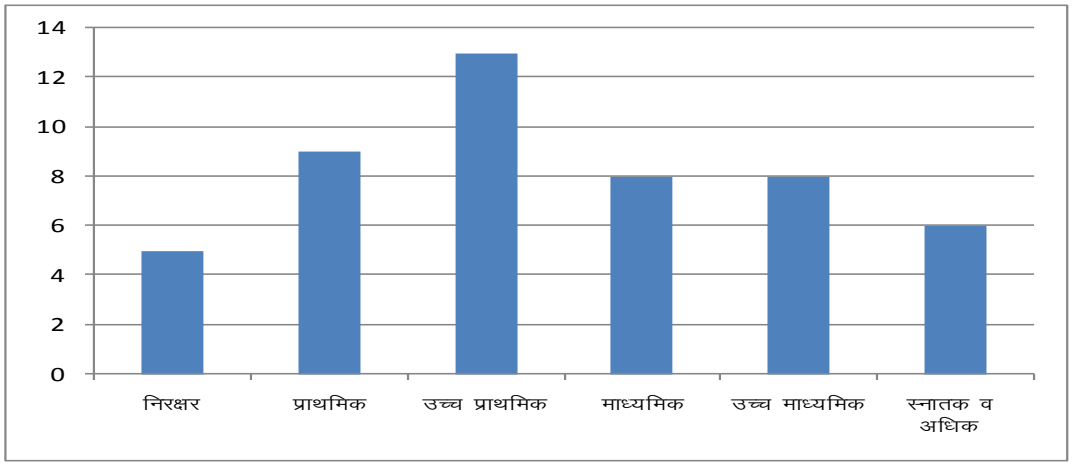

यदि बुनकरों के साक्षरता स्तर को देखा जाए तो अधिकांश बुनकर माध्यमिक शिक्षा प्राप्त किए हैं उच्च शिक्षा मात्र 29 प्रतिशत बुनकरों को प्राप्त है।

निष्कर्ष

उपर्युक्त अध्ययन से ज्ञात होता है कि महिला व पुरूष दोनों ही हथकरघा क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जातिगत रूप से देखा जाए तो अनुसूचित जाति का योगदान अधिक है व अन्य वर्ग इस ओर आकर्षित हो रहे हैं।

सुझाव

हथकरघा एक प्रगतिशील व रोजगारशील उद्योग है जिसमें लोगों की भागीदारी बढाने की ओर ध्यान देना होगा।

- महिलाओं को पुरूषों के समान, समान मजदूरी व कार्य के अवसर उपलब्ध कराए जाएं।
- बुनकरों को नवाचार में प्रशिक्षित कर उत्पादन व वितरण में वृद्धि की जा सकती है।